3700 करोड़ की लागत से बनेगा नया गांधी सेतु

राज्य ब्यूरो, पटना : गांधी सेतु के समानांतर नए फोर लेन पुल के निर्माण पर 3700 करोड़ की लागत आएगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जिस कोरियन कंपनी को प्रस्तावित पुल के डिजायन और लागत के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेवारी सौंपी थी, उसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। मुख्यमंत्री के स्तर पर हुई उच्च स्तरीय बैठक में बुधवार को इसके एलायनमेंट को मंजूरी दिए जाने के बाद इस पुल के निर्माण की कागजी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

राज्य सरकार की ओर से भेजा जाएगा पत्र

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि एलायनमेंट की स्वीकृति से संबंधित पत्र अब राज्य सरकार की ओर से मंत्रालय को भेजा जाएगा। इसके बाद मंत्रालय डीपीआर व केंद्रीय कैबिनेट से अनुमति से जुड़ी प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाएगा। यह प्रोजेक्ट बिहार के लिए प्रधानमंत्री पैकेज का हिस्सा है। कोरियन कंपनी को इसकी संभाव्यता रिपोर्ट तैयार करने का जिम्मा मिला था।

एक्स्ट्रा डोज केबल तकनीक से निर्माण होगा पुल का : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि पुल के डिजायन को अंतिम रूप दे दिया गया है। यह एक्स्ट्रा डोज केबल तकनीक से बनेगा। कच्ची दरगाह -बिदुपुर में बन रहा पुल भी इसी तकनीक से बन रहा है।

- राज्य सरकार की स्वीकृति का पत्र मिलने के बाद आरंभ हो जाएगी प्रक्रिया
- कोरिया की कंपनी ने डिजायन किया फाइनल, निर्माण में लगेंगे कम से कम चार साल

एप्रोच रोड का दक्षिणी हिस्सा एलिवेटेड

दक्षिणी हिस्से के एप्रोच रोड के संबंध में मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि वहां जमीन की समस्या आड़े आ रही थी। इसलिए तय किया गया कि एप्रोच रोड एलिवेटेड बना दिया जाए। एप्रोच रोड धनुकी मोड़ के पास खत्म होगा। पथ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का आकलन है कि पुल के निर्माण में कम-से-कम चार वर्ष लगेंगे।